

**आनलाईन कक्षा -६**  
**हिन्दो**  
**पाठ -1**  
**आओ हम अच्छे बने**

**CHANGING YOUR TOMORROW**

हमारा देश है श्रमजीवियों का  
हम काम चोर हों तो कैसे?  
हमारा शाला है विवेकियों का  
हम अविवेकी बनें तो कैसे?  
आओ! हम अच्छे बन  
भारत को शान बढ़ाएँ।

**शब्दार्थ -**

कामचोर - आलसी

विवेक – बुद्धिमत्ता

अविवेक – बुद्धिहीन

श्रमजीवी - परिश्रमी

शान- वैभव

## अर्थबोध –

हमारे देश में कृषक तथा मजदूर लोगों जैसे परिश्रमी लोग हैं जो कि भारत को सुंदर तथा हरा भरा बनाने में समर्थ हैं तो हम इस देश के नागरिक होकर कामचोर नहीं बन सकते ।



## अर्थबोध –

- हमारा देश विविक्तियों से भरा है, यहाँ पर वि.आर. अम्बेदकर और स्वामी विवेकानन्द जी जैसे विवेकवान व्यक्तियों का जन्म हुआ है ।



- हमारे देश में महात्मा गांधी, मदर टेरेसा, अब्दुल कलाम जैसे नीतिवान लोग है जिनके जीवन मूल्यों से हमारा देश इतना आगे बढ़ पाया है, तो हम नीतिहिन नहीं हो सकते ।



Mother  
Teresa



## संबधित प्रश्न-

- १ . हम कामचोर क्यों नहीं बन सकते हैं ?
- २ . हम अविवेकी क्यों नहीं बन सकते हैं ?
- ३ . भारत की शान कैसे बढ़ सकता है ?

## गृहकार्य:

कविता को याद करना ।

**THANKING YOU**  
**ODM EDUCATIONAL GROUP**

